भारत भवन में महाभारत समागम का आगाज

पुरातन और आधुनिकता का संगम

7 मंचों पर 100 से अधिक कलाकारों ने जीवंत किया महाकाव्य

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 16 जनवरी. भारत भवन का आंगन महाभारत के कालखंड में बदल गया. जब शाम 7 बजकर 22 मिनट पर सात मंचों पर एक ही समय में चल रही प्रस्तुति ने दर्शकों को मानो हजारों वर्ष पहले की कथा में पहुंचा दिया. पहले दिन की यह शुरुआत ऊर्जा, भव्यता और इण्डोनेशिया के प्रतिष्ठित नाट्य समूह द्वारा प्रस्तुत भीष्म का पतन नृत्य नाटिका और कर्मचक्र की गाथा की अद्वितीय प्रस्तुति के संगम से हुई.

कार्यक्रम में 100 से अधिक कलाकारों ने महाकाव्य के आरंभिक स्वरूप को नृत्य नाटिका के माध्यम से दर्शाया. प्रस्तुति में वेदव्यास द्वारा गणेश को महाभारत लिखने के आदेश से लेकर धृतराष्ट्र की पीड़ा तक की कथा बहती चली गई. धृतराष्ट्र का यह भाव दर्शकों को भीतर तक छू गया कि अंधकार ही अब मेरा पथ है और यह मेरे कर्मों का परिणाम है. एक तरफ नृत्य की लय और अभिव्यक्ति के साथ वेदव्यास और गणेश के संवादों ने दर्शकों को कथा की जड़ से जोड़ा. वहीं दूसरी ओर मंचन में दिखाया गया कि महाभारत का युद्ध केवल संघर्ष नहीं, बल्कि जन्म जन्मांतरों का फल है. शाम की प्रस्तुति ने स्पष्ट किया कि महाभारत केवल युद्ध कथा नहीं है. यह मनुष्य के कर्म, परिणाम और नैतिक संघर्षों की गाथा है. कलाकारों की वेशभूषा, और मंचों की सजावट ने पूरा परिसर कथा के दृश्य संसार में बदल दिया. भवन के प्रवेश द्वार से लेकर मंचन तक सजा हर एक दृश्य दर्शकों को ठहर जाने को कह रहा था.

इमर्सिव डोम में दिखे विराट श्रीकृष्ण

भारतीय कथाओं को अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से जीवंत करता हुआ देश के पहले इमर्सिव डोम का उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने किया. छह मिनट की इमर्सिव फिल्म में भागवत गीता के बारहवें अध्याय का सार दिखाया गया और समापन महामंत्रवत श्रीकृष्ण के विराट विश्वरूप दर्शन के साथ हुआ. यह डोम अमृत्य लोक टेल्स मुंबई की पहल पर तैयार किया गया है. महाभारत समागम में 360 डिग्री स्क्रीन और फर्श पर प्रसारित दृश्य सहित दर्शक बिना वीआर ग्लास पहने इसे अनुभव कर सकते हैं. इस अनूठे प्रयोग ने पौराणिक कथाओं को भविष्य की भाषा में पिरो दिया. इस डोम का निर्देशन और निर्माण नितांशी के गुप्ता, नितिन के गुप्ता और चिराग गुप्ता द्वारा किया गया है.

पंजाबी समाज का लोहड़ी मेला कल

भोपाल, 16 जनवरी. भोपाल पंजाबी समाज द्वारा लोहड़ी मेला का आयोजन 18 जनवरी रविवार को किया जाएगा. यह मेला रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के पीछे नर्मदा क्लब में शाम 7 बजे से शुरू होगा. समाज के अध्यक्ष संजीव सचदेव ने बताया कि मेला में स्वादिष्ट खाने-पीने के विभिन्न स्टाल्स, बच्चों के लिए गेम्स व झूले लगेंगे. इस दौरान भांगड़ा व गिद्दा भी होगा.

धानुक समाज की रथयात्रा 19 मार्च को निकलेगी

भोपाल, 16 जनवरी. धानुक समाज की बैठक विगत दिवस हुई, जिसमें निर्णय लिया गया कि गुड़ी पड़वा पर 19 मार्च को शहर में रथयात्रा निकाली जाएगी. समाज के अध्यक्ष एडवोकेट बीपी बंसल के मुताबिक पीरगेट से रवीन्द्र भवन पहुंचेगी. भगवान शिव और धनक मुनि रथ पर विराजमान रहेंगे. रथयात्रा के साथ शूरवीर वेश में 50 युवक धनुष-बाण लेकर चलेंगे.

राजधानी की सुनहरी सुबह

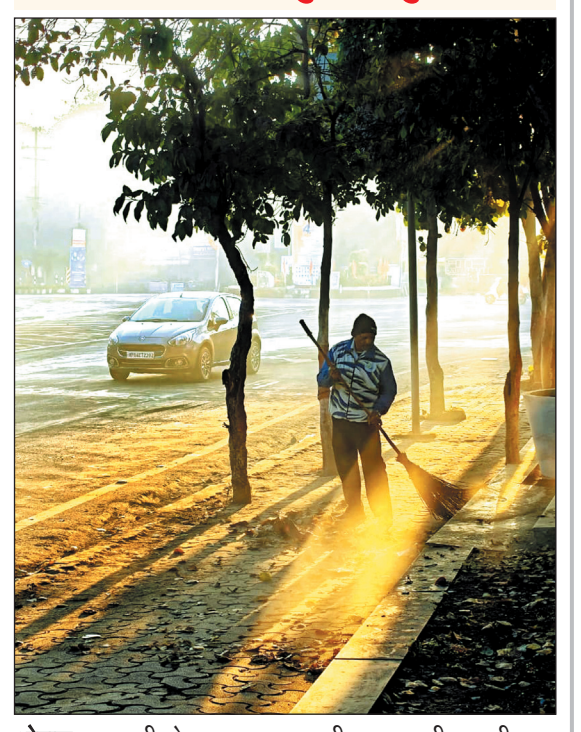

भोपाल, राजधानी भोपाल का 16 जनवरी शुक्रवार की सुनहरी सुबह का एक मनमोहक दृश्य, जिसमें नगर निगम का एक कर्मचारी भोपाल शहर को स्वच्छ रखने में अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान कर रहा है.
छायांकन - जगदीश कौशल, भोपाल

शहर में आज 30 इलाकों में होगी बिजली कटौती

भोपाल, 16 जनवरी. भोपाल शहर में मेंटनेंस के लिए शनिवार को 30 से अधिक इलाकों में बिजली सप्लाई बंद रहेगी. शनिवार सुबह 10 से शाम 5 बजे तक अफजल कॉलोनी एवं आसपास. सुबह 11 से दोपहर 2.30 बजे तक 11 मिल टावर, भोजपुर तिराहा, अंबिका गृह निर्माण समिति एवं आसपास के क्षेत्र. दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक सीआई कॉलोनी, बैंक कॉलोनी, जिंसी, नीम रोड, हम्माल कॉलोनी, जोगीपुरा एवं आसपास के इलाकों में बिजली बंद रहेगी.

एक नजर में

तिलेश्वर स्वरूप में सजे बाबा बटेश्वर

भोपाल, 16 जनवरी. श्रीबड़वाले महादेव मंदिर सेवा समिति द्वारा शुक्र प्रदोष एवं मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में बाबा बटेश्वर का सफेद व काले तिल से मनमोहक श्रृंगार किया. समिति के संजय अग्रवाल एवं प्रमोद नेमा ने बताया कि प्रदोष काल में पिसी तिल एवं गुड़ के पानी से बाबा बटेश्वर का रुद्राभिषेक कर काले एवं सफेद तिल से स्वरूप बनाकर 2 क्विंटल फूल एवं रत्नों से श्रृंगार तथा तिल वा गुड़ से बने व्यंजनों का भोग लगाकर रात्रि 10 बजे महाआरती की गई, जिसमें शिशिर मित्तल, अभिषेक लाला, मोनू राठौर, केशव फुलवानी, प्रकाश मालवीय सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे.

कलचुरि भवन में हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम

भोपाल. कलचुरि समाज महिला मंडल की महिलाओं ने शुक्रवार को लिंक रोड नंबर 3 स्थित कलचुरि भवन में हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम आयोजित. संगठन की महिला प्रदेशाध्यक्ष कमलेश राय, सुषमा राय एवं उषा मालवीय के मार्गदर्शन में महिलाओं ने भगवान सहस्त्रबाहु की पूजा अर्चना कर मकर संक्रान्ति एवं हल्दी कुमकुम पर्व धूमधाम से मनाया. इस अवसर पर हाऊजी खेला गया और कन्या पूजन कर करीब 100 निर्धन महिलाओं को शाल एवं बच्चों को खाने की सामग्रियां वितरित की गई. कार्यक्रम में महापौर भोपाल मालती राय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं. उक्त कार्यक्रम में कलचुरि सेना के अध्यक्ष कौशल राय का सहयोग रहा.

मकर संक्रांति पर श्रद्धालुओं को कराई बांद्राभान की यात्रा

भोपाल, 16 जनवरी. सर्वधर्म तीर्थ दर्शन धर्म यात्रा समिति के अध्यक्ष विपिन चौकसे ने मकर संक्रांति के पावन पर्व पर अपने पिता स्व. बालमुकुंद चौकसे की स्मृति में निरंतर 11 वें वर्ष 30 बसों से श्रद्धालुओं को तिल स्नान के लिए बांद्राभान की नि:शुल्क यात्रा कराई. यहां नर्मदा घाट पर पहुंचकर श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा का पूजन-अर्चन कर तिल से स्नान किया.

आयुर्वेद को वैश्विक पहचान दिलाने बनी कार्ययोजना

भोपाल में हुआ तीन दिवसीय ग्लोबल वैद्य 1.0 आयोजन

भोपाल, 16 जनवरी. भारतीय संस्कृति की अमूल्य स्वास्थ्य परंपरा आयुर्वेद को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से भोपाल में 'ग्लोबल वैद्य 1.0' के अंतर्गत एक अंतरराष्ट्रीय पंचकर्म इंटर्नशिप प्रोग्राम का सफल आयोजन किया गया.

यह आयोजन धर्म आयुर्वेद एवं दक्षिण कोरिया के वेलपार्क हॉस्पिटल के संयुक्त प्रयास से 14 से 16 जनवरी 2026 तक सम्पन्न हुआ. इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में देश-विदेश से 40 से अधिक अनुभवी आयुर्वेद चिकित्सकों ने सहभागिता की. कार्यक्रम के दौरान आयुर्वेद की वैश्विक उपयोगिता, भारतीय संस्कृति के अमृत तत्व पंचकर्म चिकित्सा, एवं इसके वैज्ञानिक पक्षों पर गहन चिंतन-मंथन हुआ.

कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ जुड़े. दक्षिण कोरिया से डॉ. किम मियांग ने विशेष संबोधन दिया. इसके अतिरिक्त वैद्य नितिन अग्रवाल (ब्लिस आयुर्वेद यूरोप), डॉ. श्याम वी पिल्लई (दुबई) डॉ. हरिश पाटणकर (रशिया), डॉ. राज सातपुते (यू.ए.ई), डॉ. मनीषा मिश्रा (मुंबई) ने अपने अनुभव साझा किए. प्रशिक्षण सत्रों में मेंटर्स वैद्य आस्था जैन एवं वैद्य दीक्षा आर्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. कार्यक्रम के सूत्रधार वैद्य चंद्रकांत तिवारी रहे.

धर्म आयुर्वेद के संस्थापक वैद्य प्रशांत तिवारी एवं वैद्य जया सिंह ने बताया कि आयुर्वेद के वैश्विक प्रसार की असीम संभावनाएं हैं.

एडवेंचर टूरिज्म की सुरक्षा पर विशेषज्ञों ने किया मंथन

एडवेंचर टूरिज्म सेफ्टी मैनेजमेंट पर सेमिनार

भोपाल, 16 जनवरी. मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड और भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के केंद्रीय क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा एडवेंचर टूरिज्म सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन शुक्रवार को एक होटल में किया गया.

इस सेमिनार का उद्देश्य प्रदेश में एडवेंचर टूरिज्म गतिविधियों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुरक्षित, व्यवस्थित एवं पेशेवर बनाने को लेकर जागरूकता बढ़ाना था. सेमिनार में मध्य प्रदेश के 70 से अधिक एडवेंचर ऑपरेटर्स, एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स, एडवेंचर टूरिज्म से जुड़े विभिन्न विभागों, संस्थाओं एवं हितधारकों ने सहभागिता की. कार्यक्रम के दौरान एडवेंचर टूरिज्म के संचालन में सुरक्षा मानकों, जोखिम प्रबंधन तथा अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन प्रणाली के महत्व पर विस्तृत चर्चा की गई.

अपर मुख्य सचिव, पर्यटन, संस्कृति, गृह एवं धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि मध्य प्रदेश में पर्यटन को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और विश्वसनीय बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है. उन्होंने बताया कि प्रदेश में पर्यटन को विश्वस्तरीय स्वरूप प्रदान करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम, प्रशिक्षित मानव संसाधन, मानकीकृत ऑपरेटिंग प्रक्रियाओं (एसओपी) तथा प्रभावी जोखिम प्रबंधन तंत्र पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. इन सतत प्रयासों का उद्देश्य मध्य प्रदेश को देश के सबसे सुरक्षित और अग्रणी एडवेंचर टूरिज्म हब के रूप में स्थापित करना है.

> अपर प्रबंध संचालक, मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड डॉ. अभय अरविंद बेडेकर ने बताया कि मध्य प्रदेश में एडवेंचर टूरिज्म को अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के अनुरूप सुरक्षित रूप में विकसित किया जा रहा है. स्काई-डाइविंग, ट्रैकिंग, साइक्लिंग, रॉक क्लाइम्बिंग, मोटर स्पोर्ट्स, मैराथन और वॉटर-बेस्ड गतिविधियों में सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम को प्राथमिकता दी जा रही है.

अनंत की उड़ान में गिद्दा, गरबा, घूमर और लावणी

मकर संक्रांति पर आईएएस ऑफिसर्स वाइव्ज एसोसिएशन का कार्यक्रम

भोपाल, 16 जनवरी. आईएएस ऑफिसर्स वाइव्ज एसोसिएशन (IASOWA) द्वारा मकर संक्रांति के अवसर पर कुशाभाई ठाकरे कन्वेंशन हॉल में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. 'अनंत की उड़ान' शीर्षक से आयोजित इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों में मकर संक्रांति के विविध रूपों को सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शाया गया. कार्यक्रम में लोहड़ी, बिहू, खिचड़ी, पोंगल तथा गुजराती संस्कृति की झलक देखने को मिली.

कार्यक्रम का आयोजन एसोसिएशन की अध्यक्षा नमिता जैन एवं सचिव शिप्रा पोरवाल के मार्गदर्शन में हुआ. कार्यक्रम की शुरुआत सूर्य बीज मंर्ग के उच्चारण के साथ सूर्य देव की ऊर्जा को समाहित करते हुए अष्टांग नमस्कार आधारित योग नृत्य से की गई. इसके पश्चात बिहू नृत्य, गिद्दा, गरबा, घूमर, लावणी तथा अंत में दक्षिण भारतीय नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों दी गई. सभी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एसोसिएशन की सदस्यों द्वारा दी गईं, जिन्हें दर्शकों ने सराहा. कार्यक्रम में IASOWA के सभी सदस्य अपने परिवारों सहित उपस्थित रहे.

सतीश शर्मा की पुस्तक 'दिल की बात' का विमोचन

भोपाल, 16 जनवरी. कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में शुक्रवार को लेखक सतीश शर्मा की पुस्तक 'दिल की बात' का विमोचन किया गया.

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में ग्वालियर के आचार्य छविराम शास्त्री, मुन्नीदेवी शर्मा (पूर्व अध्यक्ष, जिला सहकारी बैंक, गुना), महेंद्र कुमार शर्मा, अशोक नगर की पूर्व प्रधानाध्यापक गायत्री शर्मा, प्रधान न्यायाधीश सीहोर पी.सी. आर्या, वरिष्ठ एडीजी प्रशिक्षण पुलिस मुख्यालय राजाबाबू सिंह, प्रबंध संचालक खादी ग्रामोद्योग बोर्ड माल सिंह सहित भोपाल के अनेक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे.

ग्वालियर के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मनोज शर्मा ने कहा कि जेन-जी जन्म से ही डिजिटल और वर्चुअल दुनिया में रह रही है, जो एक ओर सुविधाजनक है, तो दूसरी ओर मानवीय संवेदनाओं और आत्मचिंतन के लिए बड़ी चुनौती भी है. ऐसे समय में पुस्तकें हमारे जीवन में पुल का कार्य करती हैं.

कार्यशाला | स्टार्टअप डे पर भोज मुक्त विश्वविद्यालय में एआई और इनोवेशन पर हुई चर्चा

एआई तकनीक नहीं, भविष्य का रोजगार का माध्यम

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 16 जनवरी. आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि भविष्य का महत्वपूर्ण रोजगार माध्यम है. यह कहना था नेशनल स्टार्टअप डे पर मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च के डेटा साइंस विभाग के प्रोफेसर डॉ. आकाश अनिल का.

कार्यक्रम में स्टार्टअप और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया था. जिसका विषय एआई इंडस्ट्री 4.0 टूल फॉर इनोवेटर्स एंड एंटरप्रेन्योर्स रहा. प्रोफेसर आकाश ने छात्रों को समझाते हुए कहा कि आने वाले समय में पारंपरिक करियर विकल्पों से आगे बढ़कर एआई आधारित कौशल और नवाचार असली पहचान देंगे. उन्होंने कहा उद्योग जगत में तेजी से बदलती मांगों के चलते छात्र अगर एआई, डेटा एनालिटिक्स और नई तकनीकों को अपनाएं तो रोजगार के अवसर कई गुना बढ़ सकते हैं. विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलगुरु डॉ. रतन सूर्यवंशी ने कहा कि छात्रों को अब केवल सरकारी नौकरी की दौड़ तक सीमित नहीं रहना चाहिए. उन्होंने सुझाव दिया कि स्टार्टअप और उद्यमिता अपनाने से युवा आत्मनिर्भर बन सकते हैं और रोजगार के अवसर खुद तैयार कर सकते हैं. विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक मानवीय खोज है और मनुष्य से ज्यादा संवेदनशील या बुद्धिमान नहीं हो सकती. उन्होंने कहा कि एआई हमारी सहायता के लिए है और इसका सही उपयोग हमारे लिए नए अवसरों का मार्ग खोल सकता है. इस अवसर पर कार्यशाला संयोजक और विश्वविद्यालय इनक्यूबेशन सेल की इंचार्ज डॉ. शुचि मिश्रा, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र और मुद्रा वितरण विभाग की निर्देशक डॉ. विभा मिश्रा, वरिष्ठ सलाहकार डॉ. भारती शर्मा, डॉ. संजय गुलाटी, डॉ. मधुकर ईटेवार, डॉ. प्रज्ञा ओझा सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, फैकल्टी सदस्य और अनेक छात्र उपस्थित रहे. कार्यक्रम का संचालन आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. निधि रावल गौतम ने किया.